भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4208

29 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

सागर परिक्रमा

4208 . श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 'सागर परिक्रमा' कार्यक्रम शुरू किया है औ यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) उपर्युक्त कार्यक्रम शुरू करने के उद्देश्य क्या हैं;
(ग) सागर परिक्रमा के तहत शामिल तटीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के नाम क्या हैं और इसके लिए क्या मार्ग तय किया गया है;
(घ) इस कार्यक्रम से किस प्रकार सभी मछुआरों, मछुआरा समुदायों और इस मार्ग के हितधारकों के लाभान्वित होने की संभावना है;
(ङ) क्या उक्त परिक्रमा से न केवल किसानों के मुद्दों को हल करने में मदद मिलेगी बल्कि उनका आर्थिक रूप से उत्थान भी होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) यह परिक्रमा चरणबद्ध तरीके से आयोजित किए जाने के तरीके से संबंधित ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (च): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार ने आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर "सागर परिक्रमा" कार्यक्रम शुरू किया है। सागर तटीय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करते हुए पूर्व-निर्धारित समुद्री मार्ग के माध्यम से सागर परिक्रमा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 'सागर परिक्रमा' का चरण-I कार्यक्रम गुजरात में आयोजित किया गया है, यह 5 मार्च, 2022 को मांडवी से शुरू हुआ और 6 मार्च 2022 को पोरबंदर, गुजरात में समाप्त हुआ। 'सागर परिक्रमा' का उद्देश्य (i) मछुआरों, तटीय समुदायों और हितधारकों के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाना है ताकि सरकार द्वारा लागू की जा रही विभिन्न मत्स्यपालन संबंधी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी का प्रसार किया जा सके, (ii) आत्मानिर्भर भारत की भावना के रूप में सभी मछुआरों, मछली किसानों और संबंधित हितधारकों के साथ एकजुटता प्रदर्शन करना (iii) राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा और तटीय मछुआरा समुदायों की आजीविका के लिए समुद्री मत्स्य संसाधनों के उपयोग और (iv) समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा के बीच स्थायी संतुलन पर ध्यान देने के साथ जिम्मेदार मत्स्यपालन को बढ़ावा देना है। 'सागर परिक्रमा' कार्यक्रम में चरणबद्ध तरीके से समुद्री राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करने की परिकल्पना की गई है। सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न लाभार्थी उन्मुख योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता और अपनाई जा सकने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने से तटीय क्षेत्रों के मछुआरों, मछुआरा समुदायों और हितधारकों के लाभान्वित होने की संभावना है । 'सागर परिक्रमा' के दौरान आयोजित किए जा रहे संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य मछुआरों और अन्य हितधारकों के मुद्दों को हल करना और भारत सरकार द्वारा लागू की जा रही विभिन्न मत्स्यपालन योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से उनके आर्थिक उत्थान की सुविधा प्रदान करना है, इसमें मात्स्यिकी क्षेत्र में 20,050 करोड़ रुपए के सर्वाधिक निवेश से "प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना" नामक एक प्रमुख योजना, पात्र संस्थाओं को रियायती वित्त प्रदान करने के लिए 7522.48 करोड़ रु. का "मात्स्यिकी और जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ)" तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधा है जिसे मछुआरों और मत्स्य पालक किसानों को प्रदान करना शामिल है। मत्स्यपालन क्षेत्र की योजनाओं और कार्यक्रमों के अलावा, 'सागर परिक्रमा' कार्यक्रम में भारत सरकार की विभिन्न अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने की परिकल्पना की गई है।

*****